खान एवं भूतत्व विभाग ने बालू मित्र पोर्टल बनाया, होम डिलिवरी की जाएगी

अब ऑनलाइन भी बालू बिकेगा, मोबाइल से भी कर सकेंगे ऑर्डर

पॉलीटिकल रिपोर्टर | पटना

अब सरकार बालू और गिट्टी खरीदने वाले लोगों को घर बैठे पहुंचवाएगी। इसके लिए खान एवं भूतत्व विभाग ने बालू मित्र पोर्टल बनाया है, जिसके माध्यम से इच्छुक कोई भी व्यक्ति अब पहले बालू ऑनलाइन घर बैठे ही खरीद सकेगा। बालू की होम डिलीवरी होगी। बिहार स्टेट माइनिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड ने ये नई व्यवस्था लागू करने के लिए कंपनियों के चयन के लिए टेंडर कर दिया है। एजेंसी के चयन के बाद अगले दो माह में यह व्यवस्था लागू की जाएगी। इस संबंध में उप्मुख्यमंत्री सह खान एवं भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बालू मित्र पोर्टल पर सभी बालुघाट बंदोबस्त धारी और लाइसेंस प्राप्त विक्रेता निर्बाधित रहेंगे। उनकी ओर से बालू का विक्रय दर (दाम) पोर्टल पर प्रदर्शित होगा। विक्रय दरों की तुलना कर क्रेता अपने पसंद का बालू ऑनलाइन ऑर्डर कर सकेंगे। इसी प्रकार ट्रांसपोर्टरों का भी निबंधन और वाहन के प्रकार के अनुरूप प्रति किमी. परिवहन किराया पोर्टल पर रहेगा। ग्राहक बालू की खरीद सीधे संचालित बालूघाटों या भंडारण अनुज्ञप्तियों से कर सकेंगे। ग्राहकों को उचित मूल्य पर बालू उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ऑनलाइन भुगतान की सुविधा रहेगी। ग्राहक तक पहुंचने की अवधि तक उक्त वाहनों के आवागमन की मॉनिटरिंग जीपीएस और व्हेकिल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम से होगा। ऑर्डर को रिर्टन या कैंसिल करने के साथ भुगतान की राशि वापस करने की सुविधा भी रहेगी।

विजय सिन्हा बोले-केंद्र और राज्य में एक ही गठबंधन की सरकार होने से बिहार को लाभ

पटना केंद्र और राज्य दोनों में एनडीए की सरकार होने का लाभ बिहार को व्यापक रूप से मिल रहा है। केंद्रीय बजट में भी इसकी झलक देखने को मिली है। तीन एक्सप्रेस-वे सहित अकेले अवसंरचना के विकास के लिए बिहार को 26 हजार करोड़ रुपए की राशि मिली है। कोसी क्षेत्र में बाढ़ नियंत्रण एवं समेकित विकास के लिए 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया है। गया और राजगीर जैसे हमारे विरासत स्थलों के नवीनीकरण के साथ पर्यटन क्षेत्र के विकास को भी लक्षित किया गया है। निश्चित रूप से इन सबका समग्र प्रभाव राज्य के रोजगार एवं विकास परिदृश्य पर होगा। यह जानकारी राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने दी।

विजय सिन्हा ने कहा कि बिहार एक विकासशील राज्य है। हमारे पास अपने स्रोतों से आय के साधन अपेक्षाकृत कम हैं। लिहाजा, केंद्रीय अनुदान पर हमारी निर्भरता है। हमारे प्रधानमंत्री का विशेष ध्यान बिहार के विकास पर है। यह हमारे लिए लाभकारी स्थिति है। विजय सिन्हा ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, अवसंरचना में देश के बेहतर प्रचालनों तथा नवाचारों को हम पूरी दक्षता से अपनाने पर बल दे रहे हैं।